भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2522
दिनांक 10 अगस्त 2026

सतत योजना

2522 **श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः**

श्री सदानंद महालू शेट तानवड़ेः

श्री मदन राठौड़ः

श्री शंभू शरण पटेलः

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (सतत) योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) योजना के अंतर्गत संपीड़ित बायो गैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना एवं परिचालन में अब तक कितनी प्रगति हुई है;

(घ) क्या सीबीजी की खरीद (ऑफटेक) को सुदृढ़ करने तथा इसे नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के साथ एकीकृत करने के लिए कोई उपाय किए गए हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, अपशिष्ट प्रबंधन और जीवाश्म ईंधन आयात में कमी पर योजना का क्या प्रभाव देखा गया है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (च) सरकार ने विभिन्न अपशिष्ट और बायोमास स्रोतों से संपीड़ित बायो-गैस (सीबीजी) के उत्पादन के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने और प्राकृतिक गैस के साथ इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 1 अक्टूबर, 2018 को "किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प (सतत)" पहल शुरू की। इस पहल के तहत, तेल और गैस विपणन कंपनियां (ओजीएमसीज) संभावित उद्यमियों से सीबीजी की अधिप्राप्ति के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करती हैं। सीबीजी संयंत्रों की स्थापना उद्यमियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और अन्य कंपनियों द्वारा उनके तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन के आधार पर की जाती है।

इसके अलावा, सरकार ने सीबीजी के लिए गोबरधन योजना को मंजूरी दी है, जिसमें वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक कुल 23,731 करोड़ रुपए का परिव्यय है। यह योजना संपूर्ण सीबीजी मूल्य श्रृंखला को एक एकीकृत ढांचे के तहत एक साथ लाती है और इसका उद्देश्य घरेलू सीबीजी उत्पादन को बढ़ाना है।

एसएटीएटी सहित सीबीजी की पहलों की प्रगति की समीक्षा गोबरधन पर अंतर-मंत्रालयी कार्यदल द्वारा की जाती है, जिसमें हितधारक मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। मंत्रालय समय-समय पर ओजीएमसीज, सीबीजी उत्पादकों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करके कार्यान्वयन की समीक्षा भी करता है।

गोबरधन पोर्टल से संकलित जानकारी के अनुसार, 31 जुलाई, 2026 की स्थिति के अनुसार लगभग 1,773 टन प्रतिदिन की कुल उत्पादन क्षमता वाले 217 सीबीजी संयंत्र क्रियात्मक थे, जिनमें एसएटीएटी और सीबीजी-सीजीडी सिंक्रोनाइजेशन योजना के तहत 180 सीबीजी संयंत्र शामिल हैं।

सरकार ने सीबीजी ऑफटेक को मजबूत करने और नगर गैस वितरण (सीजीडी) और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के साथ इसके एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें शामिल हैं:

(i) सीबीजी ऑफटेक की सुविधा के लिए पाइपलाइन अवसंरचना (डीपीआई) के विकास की योजना, जिसमें वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2028-29 की अवधि के लिए कुल 994.50 करोड़ रुपए का वित्तीय परिव्यय है, जो सीबीजी संयंत्रों या समूहों को सीजीडी और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क से जोड़ने वाली पाइपलाइनों को बिछाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। योजना के तहत अब तक 19 सीबीजी संयंत्रों को पाइपलाइनों के माध्यम से जोड़ा जा चुका है।

(ii) सीबीजी-सीजीडी सिंक्रोनाइजेशन योजना का विस्तार, जहां गेल, एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से संबंधित सीजीडी इकाई को 31 दिसंबर, 2047 तक सीबीजी ऑफटेक सुनिश्चित करता है और प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क में सीबीजी के इंजेक्शन को शामिल करने के लिए इसके दायरे का विस्तार करता है।

(iii) सीजीडी नेटवर्क के सीएनजी (परिवहन) और पीएनजी (घरेलू) खंडों में सीबीजी की चरणबद्ध अनिवार्य बिक्री की शुरुआत, जो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1%, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3%, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए 4% और वित्त वर्ष 2028-29 से आगे 5% निर्धारित की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, सीएनजी (टी) और पीएनजी (डी) खंडों में सीबीजी की बिक्री 1% के लक्ष्य के सापेक्ष 1.05% तक पहुंच गई।

सरकार ने सीबीजी पारिस्थिकी तंत्र के विकास को और प्रोत्साहित करने के लिए गोबरधन योजना को मंजूरी दे दी है। योजना में सीबीजी ऑफटेक आश्वासन, एक स्थिर प्रशासित सीबीजी मूल्य निर्धारण ढांचा, सीबीजी संयंत्रों के लिए पूंजी सहायता समर्थन, फीडस्टॉक प्रबंधन मशीनरी और उप-उत्पाद प्रसंस्करण उपकरण और ऑफटेक को मजबूत करने के लिए विस्तारित पाइपलाइन कनेक्टिविटी के प्रावधान हैं।

सीबीजी संयंत्र कृषि अवशेष, गोबर, प्रेस मड, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट और अन्य जैविक अपशिष्ट को नवीकरणीय ईंधन में परिवर्तित करके स्वच्छ-ऊर्जा उत्पादन का समर्थन करते हैं। यह बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन, ठूंठ जलाने और ग्रीनहाउस-गैस उत्सर्जन में कमी, जैविक खाद का उत्पादन, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में योगदान देता है। सीबीजी संयंत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार, किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर, फीडस्टॉक और जैविक खाद आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकास, जैविक खेती को बढ़ावा देने, स्थानीय बुनियादी ढांचे के निर्माण और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी समर्थन करते हैं।

*****